

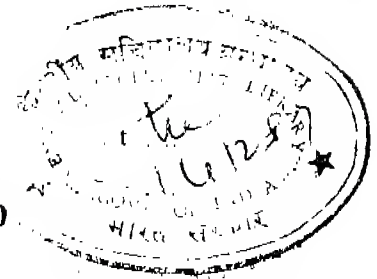


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 456]
No. 456]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 10, 1987/भाद्रपद 19, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 10, 1987/BHADRA 19, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल संसाधन मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1987

अधिसूचना

एक को प्राधिकरण के कार्यपालक सदस्य के रूप में पदाभिहित
किया जाएगा" शब्द रखे जाएंगे;

(ii) खंड (ग) का लोप किया जाएगा;

(ख) उप-पैरा-(5) का लोप किया जाएगा;

का.घा.819(अ).—केन्द्रीय सरकार, अन्तर्राष्ट्रियक जल विवाद
अधिनियम, 1956 (1956 का 33) की धारा 6क द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए नर्मदा जल स्कीम का और संशोधन करने के लिए
निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम नर्मदा जल (दूसरा संशोधन)
स्कीम, 1987 है।

(2) यह राजपत्र के प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. नर्मदा जल स्कीम, 1980 में

(1) पैरा 2 में.....

(क) उप-पैरा, (2) में.....

(i) खंड (क) के (ix) से (xi) में, "जिसमें से एक प्राधिकरण
का कार्यपालक सदस्य होगा" शब्दों के स्थान पर "जिनमें से

(2) पैरा 4. के स्थान पर निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात्:—

"4. गणपूर्ति और मतदान (1) प्राधिकरण की बैठक (नेमी
कारबार से भिन्न-भिन्न के लिए गणपूर्ति 10 सदस्यों की होगी।
नेमी कारबार के संग्रहण के लिए गणपूर्ति पांच सदस्यों की
होगी। नेमी कारबार को छोड़कर प्राधिकरण की किसी बैठक
के समक्ष लाए गए प्रत्येक प्रश्न का विनिश्चय उस बैठक में,
जिसके समक्ष विषय लाया जाए उपस्थिति और मतदान करने
वाले सदस्यों के बहुमत से किया जाएगा। प्राधिकरण, किसी
ऐसे कारबार को, जिसमें एक से अधिक राज्य के हित को
प्रभावित करने वाली किसी बात के संबंध में विनिश्चय करना
है, नेमी के रूप में विहित नहीं करेगा। प्रश्न को प्रवृत्ति
में बैठक में निर्वाचित सदस्य बैठक की अध्यक्षता करेगा।
मतों के बराबर होने की दशा में अध्यक्ष या बैठक की अध्यक्षता

कर रहे सदस्य का दूसरा या निर्णायक मत होगा। पूर्वोक्त के सिवाय सदस्यों को समान शक्तियाँ प्राप्त होंगी।”

[सं. 2/6/79-पी. I]

नरेश चन्द्र, सचिव

“shall be designated as the Executive Members”;

(ii) clause (c) shall be omitted;

(b) Sub-paragraph (5) shall be omitted;

(2) for paragraph 4, the following paragraph shall be substituted, namely :—

“4. Quorum and Voting.—(1) The quorum to constitute a meeting of the Authority (other than routine business) shall be ten Members. The quorum for transaction of routine business shall be five Members. Every question, except a routine business, brought before any meeting of the Authority shall be decided by a majority of Members present and voting at the meeting before which the matter is brought. The Authority shall not prescribe as routine any business in which decisions are to be taken on any matter affecting the interest of more than one State. In the absence of the Chairman, the Member elected at the meeting shall preside over the meeting. In the case of equality of votes the Chairman, or Member presiding over the meeting shall have a second or casting vote. Save as aforesaid the Members shall have equal powers.”.

[No. 2/6/79-P. I]

NARESH CHANDRA, Secy.

FFOT NOTE : The Narmada Water Scheme, 1980, was published as the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Irrigation No. S.O. 770(E) dated the 10th September, 1980 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (ii) at pages 1405 to 1408.

The scheme was subsequently amended by the notification of the Government of India in the Ministry of Water Resources No. S.O. 554(E) dated the 3rd June, 1987 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (ii) at pages 2 to 4.

वाद-टिप्पणी :— नर्मदा जल स्कीम, 1980, भारत के राजपत्र, अधिसूचना भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) के पृष्ठ 1405—1408 (अंग्रेजी) भारत सरकार के भूतपूर्व सिंचाई मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. प्रा. 770 (अ) तारीख 10 सितम्बर, 1980 में प्रकाशित की गई थी।

तदनुसार भारत के राजपत्र अधिसूचना, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) के पृष्ठ 2 से 4 (अंग्रेजी) पर प्रकाशित भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय की अधिसूचना, सं. का. प्रा. 554 (अ) तारीख 3 जून, 1987 द्वारा स्कीम का संशोधन किया गया।

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 10th September, 1987

NOTIFICATION

S.O. 819(E).—In exercise of the powers conferred by Section 6A of the Inter-State Water Disputes Act, 1956 (33 of 1956), the Central Government hereby frames the following scheme further to amend the Narmada Water Scheme, 1980, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the Narmada Water (Second Amendment) Scheme, 1987.
- (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
2. In the Narmada Water Scheme, 1980,
 - (1) in paragraph 2,—
 - (a) in sub-paragraph (2),—
 - (i) in clause (a), in (ix) to (ix), for the words “shall be the Executive Members”, the following words shall be substituted, namely :—